



पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड,

पंजीकृत कार्यालय:- अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, महाराजगंज उ०प्र०, (भारत)-273303

E-mail: seedcmaharajganj@gmail.com CIN-U31200UP2003SGC027461

पत्रांक : 1044 / वि०वि०म०(मह०) /
सेवा में,

दिनांक : 08/05/2026

1. विज्ञापन व्यवस्थापक,
आज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक गोरखपुर।

2. विज्ञापन व्यवस्थापक
गोरखपुर मेल, गोरखपुर।

महोदय,

- कृपया संलग्नक विज्ञापन अपने प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 10.05.2026 तक के अंक में "कम से कम स्थान में" (हिन्दी भाषा के समाचार पत्रों के लिए 12 प्वाइंट टाइप में तथा अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्रों के लिए 10' प्वाइंट टाइप में) (समाचार पत्र में केवल "एक कालम में") प्रकाशित करने की व्यवस्था करें। हेडिंग व नीचे के नाम व पता यथासम्भव एक ही लाइन में रनिंग मेटर के रूप में कम से कम स्थान में प्रकाशित करें।
- समाचार पत्रों में उक्त निविदा प्रकाशन 08 से०मी० चौड़ाई के कॉलम (Equivalent to 2 columbs of newspaper) में प्रकाशित कराया जाये।
- ई-निविदा प्रकाशन करने में निदेशक (वितरण), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ के कार्यालय पत्रांक 488/रेस्पो/द्वि०प्र० दिनांक 06.08.2025 (छायाप्रति संलग्न) का पूर्ण अनुपालन कराया जाये।
- स्थानीय प्रकृति की सूचनाएं जैसे बिजली बन्द रहने की सूचना, उपभोक्ता शिविर लगाने की सूचना, बिजली बिल के सम्बन्ध में सूचना आदि का प्रकाशन यथासम्भव समाचार पत्र के स्थानीय पृष्ठ पर तथा निविदा सूचनाओं का प्रकाशन निविदा हेतु निर्धारित पृष्ठ पर करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- प्रकाशन के बाद विज्ञापन आदेश की प्रथम मूल प्रति प्रकाशन हेतु प्रेषित सामग्री की मूल प्रति के साथ विज्ञापन शुल्क का बीजक तीन प्रतियों में, डी.ए.वी.पी. की दरों की प्रमाणित प्रति में अग्रिम भुगतान प्राप्ति रसीदी टिकट सहित प्रकाशित विज्ञापन की दो सम्पूर्ण बाउचर प्रतियां संलग्न करते हुए भुगतान हेतु प्रबन्ध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, डी०एल०डब्ल्यू० वाराणसी को एवं अधोहस्ताक्षरी को (जहां भुगतान क्षेत्रीय स्तर पर होना है) प्रेषित करें। विज्ञापन आदेश की प्रथम प्रति के स्थान पर फोटो प्रति प्रेषित करने पर सत्यापन/भुगतान सम्भव नहीं होगा।
- संलग्न हिन्दी/अंग्रेजी भाषा की विज्ञापन सामग्री का प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में और हिन्दी भाषा के समाचार पत्र के लिए संलग्न अंग्रेजी भाषा की सामग्री का अनुवाद हिन्दी भाषा में करने के उपरान्त ही विज्ञापन प्रकाशित किया जाये जिसके लिए समाचार पत्र को कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं होगा।
- विज्ञापन प्रकाशित होते ही विलम्बतम् एक सप्ताह के अन्दर प्रकाशित विज्ञापन की एक कटिंग अधोहस्ताक्षरी को सूचनार्थ अवश्य भेज दी जाये अन्यथा सम्बन्धित बीजक का सत्यापन/भुगतान नहीं किया जायेगा।
- यदि आपको सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश तथा विज्ञापन एवं दूर्य प्रचार निदेशालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञापन दरें स्वीकृत न हो तो कृपया विज्ञापन का प्रकाशन न करें तथा अधोहस्ताक्षरी को अविलम्ब इस आशय की सूचना देने का कष्ट करें।
- विज्ञापन के अन्त में सबसे नीचे छोटे टाइप में "राष्ट्रहित में बिजली बचाये" का नारा तथा इस विज्ञापन आदेश की संख्या व दिनांक अवश्य प्रकाशित करें।
- उक्त निर्देशों के विपरीत तथा गलत अथवा भद्दे ढंग से प्रकाशित किये गये विज्ञापनों में निगम द्वारा नियमानुसार आवश्यक कटौती की जा सकती है अथवा सम्पूर्ण बीजकों का भुगतान रोका/निरस्त किया जा सकता है।

संलग्नक-विज्ञापन आदेश प्रथम एवं द्वितीय प्रति।

पत्रांक-

/वि०वि०म०(म०)/

दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- जनसम्पर्क अधिकारी, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युतनगर, पो० डी०एल०डब्ल्यू०, वाराणसी।
- मुख्य अभियन्ता (वितरण), पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, गोरखपुर क्षेत्र, गोरखपुर।
- अधिशाली अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम, महाराजगंज/द्वितीय-आनन्दनगर/निचलौल/नौतनवां/परी० खण्ड-महाराजगंज।
- कार्यालय नोटिस बोर्ड।

संलग्नक-विज्ञापन आदेश।

वाई०पी० सिंह
अधीक्षण अभियन्ता

वाई०पी० सिंह
अधीक्षण अभियन्ता

पत्रांक 1044/वि.वि.मं. (मह.) / दिनांक 08/05/2026

Bold
Hindi font-Kruti Dev 010
size 12
English font- Times new
roman size 10

8 cm

Bold
Hindi font-Kruti Dev 010
size 14
English font- Times new
roman size 12

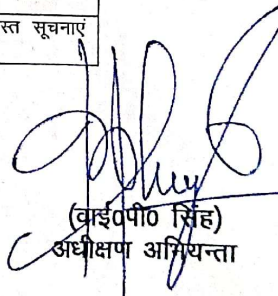
पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि०
अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, महाराजगंज

ई-निविदा सूचना दिनांक : 09.05.2026

- 1 5/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 2 6/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 3 7/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 3000
- 4 8/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 5 9/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 6 10/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2000
- 7 11/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-नौतनवा के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5500
- 8 12/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड- नौतनवा के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 9 13/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-नौतनवा के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2500
- 10 14/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 11 15/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 12 16/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2000

ई-निविदा की अन्तिम तिथि : 22 मई 2026, 14.00 बजे।

विरतृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट <https://etender.up.nic.in> पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।


(वाइ०पी० सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता

यांत्रिक कारखाना में 'कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी' का उद्घाटन



कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ० सुनील कुमार शर्मा साथ में अंजल

गोरखपुर (गो०ने०)। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर कार्यशाला के आधुनिकीकरण एवं गुणवत्ता सुधार की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। महाप्रबंधक, पूर्वतर रेलवे उदय बोरखणकर के मार्गदर्शन में कारखाना नई तकनीकों को अपना कर अपने कर्मचारियों

को आधुनिक प्रणालियों एवं उन्नत अनुसंधान तकनीकों में निरंतर प्रशिक्षित भी कर रहा है। इसी क्रम में, मुख्य कारखाना प्रबंधक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में बरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री विजय कुमार ने शुक्रवार को कारखाना

स्थित एयर ब्रेक शॉप में सभी एल.एच.बी. एवं आई.सी.एफ. कोचों के अंतिम एयर ब्रेक परीक्षण हेतु अत्याधुनिक कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी (सिंगल कार टेस्ट रिग-एस.सी.टी.टी.आर.) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य अनुज कुमार मिश्र, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर श्री सर्वद्वी कुमार वर्मा, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ० सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यशाला में आधुनिक तकनीकों का निरंतर समावेश गुणवत्ता एवं अनुसंधान दक्षता को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह अत्याधुनिक प्रणाली कोचों के ब्रेक सिस्टम की जाँच

को अधिक तेज, सटीक एवं विश्वसनीय बनायेगी। इसमें ऑटोमेटिक लॉगिंग, डिजिटल डिस्प्ले एवं डेटा रिकॉर्डिंग जैसी आधुनिक सुविधियाँ उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से डिस्ट्रीब्यूट वाय्व तथा अन्य ब्रेक उपकरणों का त्रुटिरहित परीक्षण किया जा सकेगा। इस प्रणाली की विशेषता है कि यह बिना लोकोमोटिव के ही कोच के ब्रेक सिस्टम की स्वचालित जाँच करने में सक्षम है। परीक्षण के दौरान यह प्रणाली विभिन्न मानकों की स्वतः जाँच कर उनका डेटा रिकॉर्ड करती है। इसके माध्यम से एयर लीकेज, इमरजेंसी ब्रेक की कार्यक्षमता तथा ब्रेक रिलीज प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण स्थितियों का तेज एवं सटीक परीक्षण किया जा सकेगा, जिससे सम्भावित त्रुटियों का समय रहते पता लगाया जा सकेगा। इसके

अतिरिक्त, कोचों के ब्रेक सिस्टम तथा एयर प्रेशरन से जुड़े उपकरणों की ऑटोमेटिक जाँच की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे कोचों के विश्वसनीयता एवं यात्रा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा।

इस प्रणाली में इंटीग्रेजेटेड टेस्टिंग एंड फेडबैक सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से सम्भावित त्रुटियों का पहले से आकलन किया जा सकेगा। इसके कोचों के दीर्घकालिक अनुसंधान विश्लेषण को अधिक व्यवस्थित, सटीक एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस तकनीक के उपयोग से मानवीय त्रुटियों की सम्मानना कम होगी तथा रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं तकनीक सक्षम बनाने में सहायता मिलेगी।

रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित

गोरखपुर (गो०ने०)। रेल कर्मियों, सेवानिवृत्त रेल कर्मियों उनके परिजन सहित अक्षरों से रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव मंगाने एवं उनके अनुभवों के आधार पर रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा उनमें हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के उद्देश्य से, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-वर्ष 2026 के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिसमें विजेता प्रतिभागियों में एक को प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹. 10,000/- (₹. दस हजार) द्वितीय पुरस्कार के रूप में ₹. 8,000/- (₹. आठ हजार), तृतीय पुरस्कार के रूप में ₹. 6,000/- (₹. छ. हजार) तथा पाँच को प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹. 4,000/- (₹. चार हजार) की राशि प्रत्येक को एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जायेगा। रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले

प्रतियोगी रेलकर्मों अपनी प्रविष्टि तीन प्रतियों में 21 जुलाई, 2026 तक रासनाभा अधिकारी, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय, पूर्वतर रेलवे, गोरखपुर को तथा सेवानिवृत्त रेलकर्मों अथवा अन्य व्यक्ति अपनी टिकट प्रविष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक (तृतीय प्रशिक्षण), कम्परा नं. 316, कोफमो रेल कार्यालय परिसर, अखिल भारतीय स्तर पर रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिसमें विजेता प्रतिभागियों में एक को प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹. 10,000/- (₹. दस हजार) द्वितीय पुरस्कार के रूप में ₹. 8,000/- (₹. आठ हजार), तृतीय पुरस्कार के रूप में ₹. 6,000/- (₹. छ. हजार) तथा पाँच को प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹. 4,000/- (₹. चार हजार) की राशि प्रत्येक को एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जायेगा। रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले

के ऊपर एक अलग पन्ना लगाया जाये, जिस पर बड़े अक्षरों में शीर्षक: रेल यात्रा वृत्तांत-2024, उप शीर्षक: लेखक द्वारा लिखा गया शीर्षक, नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/विभागा का पता, मातृभाषा, रेलवे फोन नम्बर, मोबाइल नम्बर, ई-मेल तथा वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिये। इस योजना में भाग लेने वाले केंद्र/राज्य सरकार के अधिकारी/कर्मचारी पर सतर्कता/अनुशासन एवं आपसी नियम से सम्बंधित मानवता लम्बित या विचारशील न हो। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य व्यक्ति को भी घोषणा पत्र देना होगा कि उन पर अपराधिक गमला नहीं है। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में ही उल्लेख करना होगा कि सम्बंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी सन्धि रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कर्त नहीं किया गया है।

यह विश्वविद्यालय के तेजी से बदलते अकादमिक संस्कृति का एक और परिचायक है: कुलपति

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने दी शुभकामनाएं



संवादादाता गोरखपुर। दिन दयाल उपप्राध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आरंभणीय कुलपति प्रो पूनम टंडन जी ने इस शोध पत्र के प्रकाशन पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है और कहा कि यह विश्वविद्यालय के तेजी से बदलते अकादमिक संस्कृति का एक और परिचायक है। पहले कला संकाय के पारंपरिक विषयों तथा साहित्य और मानविकी के विषयों पर प्रकाशन नहीं के बराबर होते थे। इसका दो वर्षों में इसकी शुरुआत हुई है। हम अन्य विभागों से भी यह आस करते हैं कि वे भी अपने प्रकाशन ऐसे अंतरराष्ट्रीय मानक वाले शोध पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करें।

प्रतिक्षा देश विदेश में लगभग 12 लाख से अधिक संख्याकवर्ष रखती है और वयु वन श्रेणी में हाई इंडेक्स 21 के साथ साथ ग्लोबल स्कॉलर हाई इंडेक्स 19 और नास रेटिंग 5.05 का आर्थिक उच्च मानक प्राप्त है। विश्वविद्यालय के कला संकाय के किसी भी प्राध्यापक के लिए यह पहला अवसर है जब उनका शोध पत्र इतने उच्चोत्कृत मानक युक्त शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस पत्रिका का प्रकाशन EM इंटरनेशनल के द्वारा होता है। इस शोध पत्र में लेखकों के द्वारा यह बताया गया है कि पर्यावरण संरक्षण एवं संर्बंधन के लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। विज्ञान जगत के द्वारा बनाए गए बिंदुओं के साथ संवेदनाओं को जोड़ते हुए एक कुशल रणनीति बनानी होगी। साहित्य एवं विज्ञान के अलावा मीडिया यंत्रों की भी रच रचकर पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों कार्यक्रम और लेख श्रृंखलाएं चलाई जाती हैं। हमें उन पर भी बहुत पैनी नजर रखनी होगी। सभी वस्तु को एक इकाई मानकर अलग-अलग क्षेत्र में जिस तरह के पर्यावरणीय सेतना को जागृत करने की आवश्यकता है इसका ज्ञान हमें तभी हो पाएगा जब हम इन तीनों विषयों में एक अंतराजुशासी अध्ययन को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

फेयरवेलरों के डिस्कोर्स एनालिसिस सिद्धांत के संरक्षण के लिए केवल भावनात्मक रूप से बड़ी-बड़ी शायर समेत वार्त करके कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। हमें सूक्ष्म विश्लेषण करना होगा। साहित्य ने भी समय-समय पर विभिन्न सिद्धांतों के द्वारा यह बताते की कोशिश की है कि हमें पर्यावरण संरक्षण एवं संर्बंधन के लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। विज्ञान जगत के द्वारा बनाए गए बिंदुओं के साथ संवेदनाओं को जोड़ते हुए एक कुशल रणनीति बनानी होगी। साहित्य एवं विज्ञान के अलावा मीडिया यंत्रों की भी रच रचकर पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों कार्यक्रम और लेख श्रृंखलाएं चलाई जाती हैं। हमें उन पर भी बहुत पैनी नजर रखनी होगी। सभी वस्तु को एक इकाई मानकर अलग-अलग क्षेत्र में जिस तरह के पर्यावरणीय सेतना को जागृत करने की आवश्यकता है इसका ज्ञान हमें तभी हो पाएगा जब हम इन तीनों विषयों में एक अंतराजुशासी अध्ययन को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

फेयरवेलरों के डिस्कोर्स एनालिसिस सिद्धांत के संरक्षण के लिए केवल भावनात्मक रूप से बड़ी-बड़ी शायर समेत वार्त करके कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। हमें सूक्ष्म विश्लेषण करना होगा। साहित्य ने भी समय-समय पर विभिन्न सिद्धांतों के द्वारा यह बताते की कोशिश की है कि हमें पर्यावरण संरक्षण एवं संर्बंधन के लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। विज्ञान जगत के द्वारा बनाए गए बिंदुओं के साथ संवेदनाओं को जोड़ते हुए एक कुशल रणनीति बनानी होगी। साहित्य एवं विज्ञान के अलावा मीडिया यंत्रों की भी रच रचकर पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों कार्यक्रम और लेख श्रृंखलाएं चलाई जाती हैं। हमें उन पर भी बहुत पैनी नजर रखनी होगी। सभी वस्तु को एक इकाई मानकर अलग-अलग क्षेत्र में जिस तरह के पर्यावरणीय सेतना को जागृत करने की आवश्यकता है इसका ज्ञान हमें तभी हो पाएगा जब हम इन तीनों विषयों में एक अंतराजुशासी अध्ययन को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

फेयरवेलरों के डिस्कोर्स एनालिसिस सिद्धांत के संरक्षण के लिए केवल भावनात्मक रूप से बड़ी-बड़ी शायर समेत वार्त करके कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। हमें सूक्ष्म विश्लेषण करना होगा। साहित्य ने भी समय-समय पर विभिन्न सिद्धांतों के द्वारा यह बताते की कोशिश की है कि हमें पर्यावरण संरक्षण एवं संर्बंधन के लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। विज्ञान जगत के द्वारा बनाए गए बिंदुओं के साथ संवेदनाओं को जोड़ते हुए एक कुशल रणनीति बनानी होगी। साहित्य एवं विज्ञान के अलावा मीडिया यंत्रों की भी रच रचकर पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों कार्यक्रम और लेख श्रृंखलाएं चलाई जाती हैं। हमें उन पर भी बहुत पैनी नजर रखनी होगी। सभी वस्तु को एक इकाई मानकर अलग-अलग क्षेत्र में जिस तरह के पर्यावरणीय सेतना को जागृत करने की आवश्यकता है इसका ज्ञान हमें तभी हो पाएगा जब हम इन तीनों विषयों में एक अंतराजुशासी अध्ययन को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

शोध पात्रता परीक्षा का अंतिम चयन परिणाम एवं प्रवेश कार्यक्रम घोषित

विधि एवं इंजीनियरिंग के परिणाम रविवार को घोषित किए जाएंगे: प्रो. हर्ष सिन्हा

रेट 2025 प्रवेश के आवेदन से अंतिम परिणाम की प्रक्रिया तीन माह से कम समय में पूरी करना सुखद है। नए सन की शुरुआत से ही उनका कोर्सवर्क शुरू हो जाएगा।

प्रवेश एवं काउंसिलिंग कार्यक्रम भी जारी

परिणाम घोषणा के साथ ही विश्वविद्यालय ने आगामी प्रवेश प्रक्रिया की रूपरेखा भी स्पष्ट कर दी है। शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की ओर से निर्गत सूचना के अनुसार, कैंटेनरीवार सीटों का आवंटन और प्रतीक्षा-सूची का प्रकाशन 16 मई, तक कर दिया जाएगा।

संवादादाता गोरखपुर। दिन दयाल उपप्राध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा शोध पात्रता परीक्षा (RET) 2025 का अंतिम परिणाम आज देर शाम आधिकारिक रूप से जारी कर दिया गया है। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने रिकॉर्ड समय में घोषित परिणामों पर खुशी जाहिर करते हुए आशा व्यक्त की है कि सफल अभ्यर्थी शोध ही विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा बनेंगे।

परिभाषा अपना परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल dduugadmission.in पर अपने उक्त नंबर और जन्मदिनांक की सहायता से देख सकते हैं। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो हर्ष कुमार् सिन्हा ने बताया कि 8 फरवरी के शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 27 और 28 मार्च को आयोजित लिखित परीक्षा में 46 विद्यार्थियों का कुल 2343 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। 3 अंकों के पूर्णतः लिखित परीक्षा के परिणाम में 1339 अभ्यर्थी सफलता के लिए अर्ह

पाए गए थे, जिनके इंटरव्यू 20 अप्रैल से आयोजित किए गए। प्रो सिन्हा ने बताया कि विधि एवं इंजीनियरिंग के परिणाम रविवार को घोषित किए जाएंगे। सभी सफल अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर सफल औपचारिकताओं को पूर्ण कर लें।

08 अदम ई-टिकटों के साथ दुकान संचालक गिरफ्तार

गोरखपुर (गो०ने०)। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वतर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही वचन बन्धाओं अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

इसी क्रम में,

07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल एवं अपराध आसूचना शाखा कासमंज द्वारा संयुक्त रूप से निगरानी के दौरान पटियाली रेलवे स्टेशन स्थित एक दुकान से ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक दुकान संचालक को 08 अदम ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया।

07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-02 पर 08 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त लड़के को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया।

07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल एवं सामाजिक निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या-15211 में 14 से 17 वर्ष के 09 लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त सभी लड़कों को चाइल्ड लाइन बाराबंकी को सुपुर्द किया गया।

प्रायोगिक ठहराव की अधिसूचना अपरिहार्य कारणों से निरस्त

गोरखपुर (गो०ने०)। पूर्व में 19045/19046 सूत्र-थावे-सूत्र एक्सप्रेस का दिग्धा दृष्टीहीन स्टेशन पर 02 मिनट के प्रायोगिक ठहराव की अधिसूचना को अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है।

विशेष गाड़ियों में सीट की उपलब्धता

गोरखपुर (गो०ने०)। रेल प्रशासन द्वारा घोषित गाड़ियों की सुगम एवं आरामदायक यात्रा हेतु अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 31 मई, 2026 तक के लिये 08 मई, 2026 को सार्व बर्ध/सीट की उपलब्धता निम्नवत् है।

गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 16 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 432 बर्ध, 30 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 42 बर्ध तथा 27 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 805 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला हॉट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 14 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 69 बर्ध, 21 मई, 2026 को शयनानाम श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 16 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 432 बर्ध, 30 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 42 बर्ध तथा 27 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 805 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला हॉट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 14 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 69 बर्ध, 21 मई, 2026 को शयनानाम श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 29 मई, 2026 को शयनानाम श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

यूपी बोर्ड की हाई स्कूल व इंटर की कक्षाओं में अवर अंक पाने वालों को किया गया सम्मान

मेजा प्रयागराज। यूपी बोर्ड के परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले जगदीशाल इंटर कॉलेज कोहड़ार के छात्र-छात्राओं को प्रबंधक का संतोष जैन व प्रधानाचार्य राजेश तिवारी ने भी सीला लाने की अवसरकला है। प्रधानाचार्य प्रबंधक संतोष जैन ने कहा

कि हाई स्कूल में अंकित निवारण व सुक्ति मिश्रा इंटर में छात्र अक्षय केशरी शाशक मिश्रा ने जिस प्रकार से सर्वोच्च अंक यूपी बोर्ड में पाकर कॉलेज का नाम रोशन किया है, ऐसे छात्राओं के अन्य छात्रों को भी सीला लाने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य राजेश तिवारी ने अब्बल छात्राओं को पुस्तक प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक प्रकाश चंद तिवारी, नाथिंद्र सिंह, रमेश चंद्र, मंगल प्रसाद शर्मा, अनुराधा तिवारी अर्जुन जैन, अशाक कुमार, हिमांशु यादव, बालकृष्ण तिवारी तुलसीदास तिवारी प्रभुन मिश्रा, आदर्श तिवारी सहित कई उपस्थित रहे।

गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 29 मई, 2026 को शयनानाम श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

पूर्वांतर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएफ, फ्रेट एवं डीएम, लखनऊ, पूर्वतर रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल बिज सिस्टम आधारित खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

पूर्वांतर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/यूटिलिटी रेलवे/लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली' निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना: ओटीसी-09-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/यूटिलिटी रेलवे/लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली' निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना: ओटीसी-09-2026, कार्य का विवरण: गीमतीनगर स्टेशन/याई में परिवर्तन (08 नम्बर नये स्टैडिंग लाइन में विद्युतीकरण कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं संस्थापना का कार्य। अनुमानित लागत: ₹. 18458078.73, बुनियादी सं: ₹. 3692000.00, निविदा प्रारंभ का मुद्रा - मिला, कार्य पूर्ण करने की अंतिम तिथि व समय: 23.05.2026 को 15:00 बजे (भारतीय समयानुसार)।

